

उत्तरांचल शासन
वित्त अनुभाग-3
संख्या- 47./वि0अनु0-3/2005
देहरादून: दिनांक 28, जनवरी, 2005

कार्यालय ज्ञाप

राज्य सरकार के कर्मचारियों की मांग पर केन्द्र सरकार के वेतनमानों से समानता के सिद्धान्त पर 01.01.1986 से राज्य सरकार द्वारा गठित समता समिति की संस्तुतियों के आधार पर एक बार समान वेतनमान स्वीकार किया गया था। कर्मचारी संघों द्वारा समय-समय पर वेतन विसंगतियों का प्रकरण पूर्व में वेतन विसंगति समिति, बजाज समिति तथा मुख्य सचिव समिति के समक्ष प्रस्तुत किये गये हैं तथा ऐसे प्रकरणों में गुण-दोष के आधार पर निर्णय भी लिया गया, जो वर्तमान में उत्तरवर्ती दोनो राज्यों में समान रूप से लागू किया गया। उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम-2000 कीधारा-74 में इस आशय का स्पष्ट प्राविधान है कि राज्य के विभाजन के कारण सरकारी कर्मचारियों की सेवा शर्तें अलाभकारी नहीं होनी चाहिये। अतः पूर्व से स्थापित सिद्धान्तों एवं वेतन विसंगति हेतु गठित मुख्य सचिव समिति की संस्तुतियों को पूर्ववर्ती उत्तर प्रदेश के प्रभाजन के बाद उत्तरवर्ती राज्यों में लागू किया गया।

कतिपय संघों द्वारा कुछ विसंगतियों पर उत्तरांचल राज्य में अलग से विचार करने की मांग को दृष्टि में रखते हुये उत्तरांचल फेडरेशन आफ़ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसियेशन की मांग पर वेतन विसंगति पर विचार कर राज्य सरकार को अपनी संस्तुतियां देने हेतु अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति कार्यालय ज्ञाप संख्या 001/वि0अनु0-3/2005, दिनांक 03.01.2005 द्वारा गठित की गयी है। उक्त संघ के अतिरिक्त वेतन विसंगति के प्रकरणों में अन्य महासंघ, संघ, परिषद, संगठन द्वारा भी मांग प्रस्तुत की गयी है कि वेतन विसंगति के समस्त प्रकरणों पर उक्त समिति द्वारा ही विचार किया जाये।

इस सम्बन्ध में सम्बन्धित महासंघ/संघ परिषद/संगठन/विसंगति समिति के निर्णय तथा वर्तमान में पूर्व निर्णयों के क्रम में विसंगति के आधार प्रस्तुत करने पर समिति के समक्ष सम्बन्धित प्रशासनिक विभाग/विभागाध्यक्ष उत्तर प्रदेश से पूर्व निर्णयों के विस्तृत अभिलेखों की प्रतियां प्राप्त कर समिति

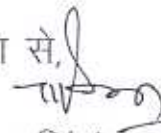
के समक्ष प्रस्तुत करेंगे तथा समस्त अभिलेखों एवं साक्ष्यों के आधार पर समिति विसंगतियों पर विचार कर राज्य सरकार को अपनी संस्तुति देगी।

इन्दु कुमार पाण्डे
प्रमुख सचिव

संख्या- 47 (1)/वि0अनु0-3/2005 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 2- सचिव, कार्मिक विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 3- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी को इस आशय से कि मा0 मुख्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत कर सकें।
- 4- निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 5- निदेशक, एन0आई0सी0 उत्तरांचल राज्य एमक देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(टी0एन0 सिंह)
अपर सचिव